

पौलुस के दुवारा ए चिट्ठी तीमुथियुस ला लिखे गे हवय। तीमुथियुस ह एक मसीही रहिसि अऊ ओह एसिया परदेस के रहइया रहिसि। ओकर दाई ह यहूदी अऊ ओकर ददा ह यूनानी रहिसि। तीमुथियुस ह सुघर संदेस के परचार म पौलुस के सहकरमी अऊ सहायक बन गे रहिसि। पौलुस ह तीमुथियुस ला लिखे ए पहिली चिट्ठी म अपन उदेस्य ला अध्याय 3:14-15 म बताथे। पौलुस ह खास करके तीन बात ए चिट्ठी म समझाय के कोससि करे हवय। पहिला—ए चिट्ठी ह कलीसिया म गलत सकिछा के बरिध म एक चेतउनी ए। ए गलत सकिछा यहूदी अऊ आनजातमन के बचार के मलावट रहिसि। दूसरा—पौलुस ह कलीसिया म पराथना अऊ अराधना के बारे म नरिदेस देथे। ओह ए घलो लिखिथे कि कलीसिया म अगुवामन के का-का गुन होना चाही। तीसरा—पौलुस ह तीमुथियुस ला सलाह देथे कि ओह कइसने यीसू मसीह के एक बने सेवक बन सकथे। ए चिट्ठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

जोहार 1:1-2

कलीसिया अऊ कलीसिया के अगुवामन के संबंध म नरिदेस 1:3-3:16

तीमुथियुस ला ओकर काम के बारे म नरिदेस 4-6

1 में पौलुस ह हमर उद्धार करइया परमेसर अऊ हमर आसा मसीह यीसू के हुकूम ले मसीह यीसू के प्रेरित अंव, 2 बसिवास म मोर पक्का बेटा तीमुथियुस, तोला मेंह ए चिट्ठी लिखित हवंव।

हमर ददा परमेसर अऊ हमर परभू मसीह यीसू ले तोला अनुग्रह, दया अऊ सांति मलित रहय।

कानून के लबरा गुरमन के बरिध म चेतउनी

3 जइसने कि मेंह मकदिनिया जावत बेरा तोर ले बनिती करे रहेंव कि तें इफसुस म रहिके ओ मनखेमन ला हुकूम दे कि ओमन

गलत बात झन सीखोवय, 4 अऊ न ही ओमन कथा-कहानी अऊ अन्तहीन बंसावलीमन म मन लगावय, जेकर ले बविद होथे। अइसने बात ले परमेसर के काम, जऊन ह बसिवास म आधारित हवय, नई होवय। 5 ए हुकूम के उदेस्य ह मया अय, जऊन ह साफ मन, बने बविक अऊ सही बसिवास ले पैदा होथे। 6 कुछू मनखेमन ए बातमन ले भटकके बेकार के बात म मन लगाय हवय। 7 ओमन चाहत हवय कि मनखेमन ओमन ला मूसा के कानून के गुरू के रूप म जानय, पर ओमन अपनेच बातमन ला नई समझय या ओ बात ला नई जानय, जेकर बारे म ओमन बहुत जोर देके गोठियाथें।

8 हमन जानत हन कि मूसा के कानून ह बने ए, यदि मनखे ह ओकर सही उपयोग करय त। 9 हमन ए घलो जानत हन कि कानून ह बने मनखेमन बर नो हय, पर एह कानून टोरइया, नरिंकुस, भक्तिहीन, पापी, अपबितर मनखे अऊ अधरमी, दाई-ददा के हतिया करइया, हतियारा, 10 छिनारी करइया, बेभचारी, मनखेमन ला बेचइया, लबरा अऊ लबरा गवाही देवइया अऊ सही उपदेस के बरिध करइयामन बर अय। 11 एहीच ह अद्भूत परमेसर के महिमामय सुघर-संदेस के मुताबिक ए, जऊन ला मोला सऊपे गे हवय।

पौलुस ऊपर परभू के अनुग्रह

12 मेंह अपन परभू मसीह यीसू के धनबाद करत हंव, जऊन ह मोला ताकत दे हवय अऊ मोला बसिवास के लइक समझके अपन सेवा बर ठहराय हवय। 13 मेंह तो पहिली ओकर ननिदा करइया, अतियाचारी अऊ ओकर बेजतूती करइया रहेंव, तभो ले परमेसर के दया मोर ऊपर होईस काबरकि मेंह ए जम्मो ला नासमझी म करेंव अऊ ओकर ऊपर बसिवास नई करत रहेंव। 14 हमर परभू के अनुग्रह, ओ बसिवास अऊ मया के संग, जऊन ह मसीह यीसू म हवय, मोर ऊपर बहुत अकन होईस।

15 ए बात सच ए अऊ पूरा-पूरी माने अऊ बसिवास करे के लइक अय कि मसीह यीसू

ह ए संसार म पापीमन के उद्धार करे बर आईस, जेम सबले बड़े पापी मेंह अंव। 16पर मोर ऊपर एकरसेती दया होईस की मोर म, जऊन ह की सबले बड़े पापी अंव, यीसू मसीह ह अपन पूरा सहनसीलता देखावय, ताकी जऊन मनखेमन मसीह ऊपर बसिवास करहीं अऊ परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पाहीं, ओमन बर मेंह एक नमूना बनंव। 17सदाकाल के राजा, अबनिासी, अनदेखे, सरिपि एकेच परमेसर के आदर अऊ महिमा जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

18हे बेटा तीमथयुस, ओ अगम बात के मुताबकि, जऊन ह पहिली तोर बारे म कहे गे रहिसि, मेंह तोला ए हुकूम देवत हंव की ओकर मुताबकि सही जनिगी म चलत रह, 19अऊ बसिवास अऊ सही बचिक म बने रह। कुछू मनखेमन एला नई माननि अऊ एकरसेती ओमन के बसिवास ह खतम हो गीस। 20ओमन म हुमनियुस अऊ सकिन्दर अंय, जेमन ला मेंह सैतान ला सकुप दे हवंव, ताकी ओमन सखिंय अऊ परमेसर के ननिदा झन करंय।

अराधना के बारे म नरिदेस

2 सबले पहिली ए अनुरोध करत हंव की बनिती, पराथना, नबिदन अऊ धनबाद जम्मो मनखे बर करे जावय- 2राजा अऊ जम्मो ऊंच पद के मनखे बर ए करे जावय, ताकी हमन सांति अऊ सुख के जनिगी भक्ती अऊ पबतिरता के संग जीयन। 3एह बने बात ए अऊ एह हमर उद्धार करइया परमेसर ला भाथे। 4ओह चाहथे की जम्मो मनखेमन के उद्धार होवय अऊ ओमन सत के गयान ला जानंय। 5काबरकी सरिपि एके परमेसर हवय अऊ परमेसर अऊ मनखेमन के बीच म एकेच बचिवई हवय, याने मसीह यीसू, जऊन ह मनखे अय। 6ओह जम्मो मनखेमन के पाप के छुटकारा खातरि अपन-आप ला दे दीस अऊ ए गवाही ह ठीक समय म दथि गीस। 7मेंह सच कहत हंव, लबारी नई मारत हंव। एकरे खातरि, मेंह सुघर संदेस के परचारक,

प्रेरति अऊ आनजातमन बर सही बसिवास के एक गुरू ठहराय गे हवंव।

8मेंह चाहत हंव की जम्मो जगह मनखेमन बगिर गुस्सा या बविाद के, पबतिरता के संग अपन हाथ ऊपर उठाके पराथना करंय।

9मेंह ए घलो चाहत हंव की माईलोगनमन संकोच अऊ बने आचरन के संग ठीक से कपड़ा पहरिंय; न की बाल गुंथके या सोना या मोती या मंहगा कपड़ा ले अपन-आप ला संवारंय, 10पर भलाई के काम करंय, जइसने की ओ माईलोगनमन ला सोभा देथे, जऊन मन अपन-आप ला परमेसर के भक्त कहथिं।

11माईलोगन ला चुपेचाप अऊ पूरा अधीनता म रहकि सखिना चाही। 12मेंह माईलोगन ला ए अनुमती नई देवंव की ओह सखिोय या मरद के ऊपर अधिकार रखय, पर ओह एकदम चुपेचाप रहय। 13काबरकी आदम ह पहिली बनाय गीस अऊ ओकर बाद हवा बनाय गीस। 14अऊ आदम ह बहकाय नई गीस, पर माईलोगन ह बहकाय गीस अऊ पापनि बनसि। 15तभो ले माईलोगनमन लइका जने के दुवारा उद्धार पाहीं, यदी ओमन बने आचरन के संग बसिवास, मया अऊ पबतिरता म बने रहंय।

पास्टर अऊ डीकन

3 ए बात सही ए: की कहुं कोनो मनखे पास्टर बने चाहथे, त ओह बहुत बढ़िया काम करे के ईछा करथे। 2पास्टर ला बलिकुल नरिदोस होना चाही। ओकर सरिपि एकेच घरवाली होवय। ओह संयमी, सुसील, सभ्य, पहुनई करइया अऊ बने गुरू होवय। 3ओह पयिक्कड़ या मारपीट करइया झन होवय, पर नरम सुभाव के होवय। ओह न झगरा करइया अऊ न रूपिया-पईसा के लोभी होवय। 4ओह अपन परिवार के सुघर परबंध करइया होवय, अऊ ओह ए देखय की ओकर लइकामन पूरा आदर-मान के संग ओकर बात मानंय। 5(कहुं कोनो अपन खुद के परिवार के परबंध नई कर सकय, त फेर ओह परमेसर के कलीसिया के खियाल कइसने रख सकथे?) 6ओह नवां

मसीही झन होवय, नई तो ओला घमंड हो सकथे अऊ सैतान के सही दंड पा सकथे। 7कलीसिया के बाहरि के मनखेमन म घलो ओकर बने नांव होना चाही, ताका ओकर ननिंदा झन होवय अऊ ओह सैतान के फांदा म झन फंसय।

8एही किसिम ले, डीकनमन ला घलो आदर के लइक होना चाही। ओमन ईमानदार होवय अऊ पयिक्कड़ अऊ नीच कमई के लोभी झन होवय। 9ओमन बसिवास के गहरि सच ला सही बविक के संग थामे रहय। 10ओमन पहिली जरूर परखे जावय अऊ यर्दा नरिंदोस नकरय, त ओमन डीकन के काम करय।

11ओही किसिम ले, डीकनमन के घरवालीमन ला घलो आदर के लइक होना चाही। ओमन बकबक करइया झन होवय, पर संयमी अऊ जम्मो बात म बसिवास के लइक होवय।

12डीकन के सरिपि एक घरवाली होवय अऊ ओह अपन लइकामन के अऊ घर के सुघर परबंघ करय। 13जऊन मन बने सेवा करे हवय, ओमन बने आदरमान पाथें अऊ मसीह यीसू म अपन बसिवास के दुवारा भरोसा के लइक समझे जाथें।

14हालाका मेंह तोर करा जल्दी आय के आसा करत हंव, तभो ले तोला ए बात लिखत हंव, 15ताका कहुं मोर आय म देरी होवय, त तोला जानकारी होना चाही का मनखेमन परमेसर के परिवार म कइसने बरताव करय अऊ ए परिवार ह जीयत परमेसर के कलीसिया ए, जऊन ह परमेसर के सच के आधार ए अऊ एह सच ला थामे रहथि। 16ए बात म कोनो संका नई ए का परमेसर के भक्ती के भेद ह महान ए:

ओह (मसीह) मनखे के रूप म परगट होईस,

पबतिर आतमा के दुवारा साबित करे गीस,

स्वरगदूतमन ला दिखाई दीस,

जात-जाती म ओकर परचार होईस,

जम्मो संसार म मनखेमन ओकर ऊपर बसिवास करनि,

अऊ ओह महिमा म स्वरग ऊपर उठा लयि गीस।

तीमूथय़िस ला नरिंदेस

4 परमेसर के आतमा ह साफ-साफ कहथि का अवइया समय म कुछू मनखेमन बसिवास ला छोड़ दहिं अऊ धोखा देवइया आतमा अऊ परेत आतमामन के सखोय बात ला मानही। 2ए बातमन धोखा देवइया मनखेमन ले आथे, जऊन मन लबारी मारथें अऊ जेमन के बविक ह मर गे हवय, मानो ओह गरम लोहा ले दागे गे हवय। 3ओमन मनखेमन ला बहिाव करे बर मना करथें अऊ कुछू खाय के चीजमन ला खाय बर मना करथें जऊन ला परमेसर ह एकरसेती बनाईस का सत ला जाननेवाला बसिवासीमन, ए भोजन-वस्तु बर धनबाद के पराथना करय अऊ ओला खावय। 4परमेसर के बनाय हर चीज ह बने ए, अऊ कोनो घलो चीज असुवीकार करे के लइक नो हय, यर्दा ओला परमेसर ला धनबाद देके खाय जाथे। 5काबरका ओह परमेसर के बचन अऊ पराथना के दुवारा सुध हो जाथे।

6कहुं तेंह बसिवासी भाईमन ला ए बातमन के सुरता कराथस, त तेंह मसीह यीसू के बने सेवक बनबे, जइसने का तेंह परमेसर के बचन के बसिवास म पले-बढ़े अऊ सही सकिछा म चले हवस। 7अपन-आप ला अधरमी अऊ डोकरी मन के कथा-कहानी ले दूरहिा रख अऊ अपन-आप ला आतमकि बात म बढ़ा।

8सारीरकि कसरत करे ले कुछू फायदा होथे, पर भक्ती के साधना ले जम्मो बात म फायदा होथे, काबरका एह ए जनिगी अऊ अवइया जनिगी दूनों के वायदा करथे।

9ए बात सच ए अऊ हर किसिम ले माने अऊ बसिवास करे के लइक ए 10(अऊ एकरसेती, हमन महिनत अऊ संघर्स करथन), काबरका हमर आसा ओ जीयत परमेसर ऊपर हवय, जऊन ह जम्मो मनखेमन के, अऊ बसिस करके बसिवासीमन के उद्धार करइया अय।

11ए बातमन के हुकूम दे अऊ सखियोय कर। 12अइसने कर की कोनो मनखे तोर जवानी के कारन, तोला तुछ झन समझय, पर बसिवासीमन खातरि अपन गोठ-बात, अपन जनिगी, अपन मया, बसिवास अऊ सुधता के दुवारा एक नमूना पेश कर। 13जब तक मेंह नई आ जावंव, तब तक अपन-आप ला मनखेमन के आघू म परमेसर के बचन पढ़े, उपदेस करे अऊ सखियोय म लगाय रख। 14अपन बरदान के खयाल रख, जऊन ह एक अगम संदेस के जरयि दयि गे रहिसि, जब अगुवामन अपन हांथ ला तोर ऊपर रखनि।

15ए काममन ला करते रह; अऊ एमन खातरि अपन-आप ला पूरा-पूरी लगा दे, ताकी हर एक झन तोर बढ़ती ला देख सकयं। 16अपन जनिगी अऊ अपन सकिछा ला बसिस धयान दे। ओम लगे रह, काबरकी यदा तेंह अइसने करबे, त तेंह, तोर अऊ तोर बात सुनइया, दूनों के उद्धार करबे।

बधिवा, अगुवा अऊ गुलाम मन के बारे म सलाह

5 कोनो सयाना मनखे ला झन डांट, पर ओला अपन ददा सहीं जानके समझा दे। जवानमन ला भाई, 2डोकरी माईलोगनमन ला दाई अऊ जवान माईलोगनमन ला पूरा-पूरी सुध मन ले बहिनी जानके ओमन के संग बरताव कर।

3ओ बधिवामन के आदर कर, जऊन मन ला मदद के जरूरत हवय। 4कहूं कोनो बधिवा के लइका अऊ नाती-नतननि हवय, त ओमन ला अपन परवार के देख-रेख करे के दुवारा पहिली अपन धरम के काम ला पूरा करना चाही। ए किसिम ले ओमन अपन दाई-ददा अऊ डोकरी दाई-ददा मन के बदला चुकावय, काबरकी ए काम ह परमेसर ला भाथे। 5ओह सही बधिवा ए, जेकर कोनो नई ए अऊ जऊन ह परमेसर ऊपर भरोसा रखथे अऊ रात-दिन पराथना म लगे रहथि अऊ परमेसर ले मदद मांगथे। 6पर ओ बधिवा, जऊन ह भोग-बिलास म जनिगी बताथे,

ओह जीते-जीयत मर गीस। 7ओमन ला हुकूम दे, ताकी ओमन नरिदोस जनिगी जीययं। 8यदा कोनो अपन रसितेदार अऊ बसिस करके अपन परवार के देख-रेख नई करय, त एकर ले पता चलथे की ओह मसीह के ऊपर बसिवास करे बर छोड़ दे हवय, अऊ एक अबसिवासी ले घलो खराप हो गे हवय।

9बधिवामन के सूची म, ओ बधिवा के नांव लिखे जावय, जेकर उमर साठ साल ले ऊपर हवय अऊ जऊन ह एके झन मनखे के घरवाली रहे हवय। 10अऊ भलाई के काम करे म ओकर बने नांव होवय—जइसने की अपन लइकामन के पालन-पोसन-करई, पहुनई करई, परमेसर के मनखेमन के गोड़ धोवई, जऊन मन मुसबित म हवय, ओमन के मदद करई अऊ अपन-आप ला जम्मो किसिम के बने काम म लगाय रखई।

11पर जवान बधिवामन ला अइसने सूची म झन रख, काबरकी जब ओमन के सारीरकि भोग-बिलास के ईछा ह ओमन ला मसीह ले दूरहिया ले जाथे, त ओमन बहिाव करे चाहथें। 12ए किसिम ले ओमन दोसी होथें, काबरकी ओमन मसीह के संग करे अपन पहिली परतगियां ला तोर देखें। 13एकर अलावा, ओमन घर-घर जाके आलसी बन जाथें। अऊ सरिपि आलसी ही नई बनय, पर बक-बक करथें अऊ आने मन के काम म दखल देखें, ओ बातमन ला कहकि जऊन ला की नई कहना चाही। 14एकरसेती, बने होतसि की जवान बधिवामन बहिाव करय अऊ लइका जनमावय, अपन घर-बार ला संभालय अऊ बईरी ला बदनाम करे के कोनो मऊका झन देवयं। 15काबरकी कुछू बधिवामन बहकके सैतान के पाछू चलत हवयं।

16कहूं कोनो बसिवासी माईलोगन के अइसने रसितेदार हवय, जऊन मन बधिवा अंय, त ओह ओमन के मदद करय ताकी ओमन के बोझा कलीसिया ऊपर झन होवय अऊ कलीसिया ह आने मन के मदद कर सकय, जऊन मन सही म बधिवा अंय।

17ओ अगुवा जऊन मन कलीसिया के बने काम करथें, ओमन दू गुना आदर के

लइक समझे जावयं, बसिस करके जऊन मन परमेसर के बचन के परचार अऊ सखियो के काम करथें। 18काबरकी परमेसर के बचन ह कहथि, “दऊरी म चलत बइला के मुहू ला झन बांध” अऊ “बनहिर ला अपन बनी पाय के हक हवय।” 19कहू कोनो मनखे ह कोनो अगुवा ऊपर दोस लगाथे, त बगिर दू या तीन गवाह के ओकर झन सुने कर। 20जऊन मन पाप करथें, ओमन ला जम्मो के आघू म डांट, तार्का आने मन पाप करे बर डर्रावयं।

21परमेसर, मसीह यीसू अऊ चुने स्वरगदूतमन ला हाजरि जानके, मेह तोला हुकूम देवत हंव की ए बातमन ला बगिर काकरो तरफदारी के माने कर अऊ कोनो काम म पखयिपात झन कर।

22कोनो मनखे ला परभू के सेवा खातरि चुने म जल्दबाजी करके ओकर ऊपर हांथ झन रख अऊ आने मन के पाप म भागीदार झन हो। अपन-आप ला सुध बनाय रख।

23सरिपि पानी झन पीये कर, पर अपन पेट खातरि अऊ बार-बार बेमार पड़े के कारन, थोरकन अंगूर के मंद घलो पीये कर।

24कुछू मनखेमन के पाप ह साफ-साफ दिखि जाथे अऊ ओमन के पाप ह ओमन ले पहिले नियाय बर पहुंच जाथे; पर आने मन के पाप ह बाद म दिखिथे। 25वइसनेच बने काममन साफ-साफ दिखिथें अऊ कहू साफ नई घलो दिखिं, त ओमन सदाकाल तक छुपे नई रह सकयं।

6 जऊन मन गुलाम अंय, ओमन अपन मालकि ला बड़े आदर के लइक समझयं, तार्का परमेसर के नांव अऊ हमर सकिछा के ननिदा झन होवय। 2जेमन के मालकिमन बसिवासी अंय, ओमन अपन मालकि के आदर करे म कमी झन करयं, काबरकी ओमन परभू म भाई अंय। बल्की ओमन ला अपन मालकिमन के अऊ बने सेवा करना चाही काबरकी जऊन मन सेवा के लाभ उठाथें, ओमन ह बसिवासी अऊ ओमन के मयारू अंय। ए बात तेंह ओमन ला सखियो अऊ समझाय कर।

रूपिया-पईसा के लोभ

3कहू कोनो आने कसिम के उपदेस देथे अऊ हमर परभू यीसू मसीह के सही नरिदेस अऊ परमेसर के सकिछा ले सहमत नई ए, 4त ओह घमंडी हो गे हवय अऊ कुछू नई जानय। ओह बाद-बिवाद अऊ परमेसर के बचन के बारे झगरा करे म बेकार के रूचि रखथे, जेकर ले जलन, झगरा, ननिदा के बात, खराप भ्रम, 5अऊ बगिड़े बुद्धि वाले मनखेमन के बीच म लगातार मतभेद पैदा होथे, जेमन कसित ले दूरहिया हो गे हवयं। अऊ ओमन सोचथें की परमेसर के भक्तीह पईसा कमाय के रसता ए।

6पर संतोस सहति परमेसर के भक्ती म जनिगी बतिई ह बहुंत बड़े कमई ए। 7काबरकी हमन ए संसार म कुछू नई लाने हवन अऊ हमन इहां ले कुछू नई ले जा सकन। 8एकरसेती कहू हमर करा भोजन अऊ कपड़ा हवय, त हमन ला ओहीच म संतोस रहना चाही। 9जऊन मन धनी होय चाहथें, ओमन लालच म, अऊ फांदा म अऊ कतको कसिम के मुख अऊ हानकारक ईछा म फंसथें, जऊन ह मनखेमन ला नास अऊ बरबाद कर देथे। 10काबरकी रूपिया-पईसा ले मया करई ह जम्मो बुरई के जरी अय। कुछू मनखेमन रूपिया-पईसा के लोभ म पड़के बसिवास ले भटक गे हवयं अऊ अपन-आप ला नाना कसिम के दुःख म डार दे हवयं।

तीमथयुस ला पौलुस के नरिदेस

11पर, हे परमेसर के जन, तेंह ए जम्मो चीज ले दूरहिया रह अऊ धरमीपन, भक्ती, बसिवास, मया, सहनशीलता अऊ नमरता के काम म अपन मन ला लागाय रख। 12बसिवास के बने लड़ई लड़त रह अऊ परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी ला थामे रह, काबरकी एकरे बर तोला बलाय गे रहिसि, जब तेंह कतको गवाहमन के आघू म अपन बसिवास के सही गवाही देय रहय। 13परमेसर ला हाजरि जानके, जऊन ह जम्मो ला जनिगी देथे अऊ मसीह यीसू ला हाजरि जानके,

जऊन ह पुनूतयुस पीलातुस के आघू म नडिर होके गवाही दीस, मेंह तोला हुकूम देवत हंव 14की तेंह हमर परभू यीसू मसीह के परगट होवत तक, ए हुकूम ला नसिकलंक अऊ सही-सही मानत रह। 15यीसू ला परमेसर ह अपन सही समय म परगट करही। परमेसर ह परमधन्य, राजामन के राजा अऊ परभूमन के परभू अय। 16ओह एके ज्ञान अमर अय, ओह ओ अंजोर म रहथि, जहिं कोनो नई जा सकय। ओला कोनो नई देखे हवय अऊ न कोनो ओला देख सकय। ओकर आदर अऊ पराकरम जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

17ए संसार के धनवानमन ला हुकूम दे की ओमन घमंडी ज्ञान होवय अऊ नासमान धन ऊपर आसा ज्ञान रखय, पर परमेसर ऊपर आसा रखय, जऊन ह हमन ला आनंद मनाय बर हर चीज उदार मन ले देथे। 18ओमन ला हुकूम दे की ओमन भलाई करय अऊ भलाई के काम म धनी बनय अऊ ओमन उदार

बनय अऊ मदद करे बर तयार रहय। 19ए कसिम ले ओमन अपन बर खजाना बटोरहीं, जऊन ह अवइया समय बर एक मजबूत नींव होही। अऊ तब ओमन ओ जनिगी म बने रह सकथें, जऊन ह कसिही के जनिगी ए।

20हे तीमुथियुस, जऊन चीज ला तोर देख रेख म दयिं गे हवय, ओकर रखवारी कर। अऊ जऊन गयान ला गयान कहना ही गलत ए, ओकर बरिध के बात अऊ भक्तहीन बातचीत ले दूरहि रह। 21काबरका कुछू मनखेमन ए गयान ला मानके बसिवास ले दूरहि हो गे हवय। तोर ऊपर अनुग्रह होवत रहय।

a 11 यूनानी भासा के सबद “गुनाइका” (डीकन के घरवाली) के मतलब “माईलोगन” या “घरवाली” हो सकथे।